दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 25 अप्रैल 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 204

देश में रोजाना रिकॉर्ड तोड़ रहे कोरोना के मामले एक दिन में 3,46,786 नये मरीज, 2,624 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कोरोना महामारी की दूसरी लहर ऐसे कहर बनकर टूट रही है कि देश में कोविड-19 के एक दिन में रिकार्ड 3,46,786 नए मामले सामने आए। जबकि एक दिन में 2,624 संक्रमितों की मौत की मौत हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार को जारी आंकड़ो के अनुसार देश मे तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के प्रकोप में हर दिन रिकार्ड तोड़ मामले सामने आ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 3,46,786 नये मरीज आने के साथ देश में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़कर 1,66,10,481 हो गये हैं। वहीं 2,624 संक्रमितों की मौत के साथ देश में अब तक 1,89,544 लोगों ने कोरोना संक्रमण के कारण अपनी जान गंवा दी है। संक्रमण के कारण मरने वालों की दर

भी गिर गई है और यह 1.14 फीसदी है। जबकि अभी तक देश में कोविड-19 के 25,52,940 सक्रीय मरीजों का अस्पतालों में उपचार चल रहा है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.37 फीसदी है। संक्रमण से उबरने वाले लोगों की दर और गिर गई है और यह 83.49 फीसदी रह गई है। पिछले 24 घंटों में 2,19,838 वायरस संक्रमण से ठीक हुए हैं।

पांच राज्यों में सर्वाधिक मामले आए- पिछले 24 घंटों में दैनिक कोविड-19 मामलों में सबसे अधिक योगदान देने वाले शीर्ष पांच राज्यों में 66,836 मामले महाराष्ट्र के बाद, 36,605 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश, 28,447 मामलों के साथ केरल, 26,962 मामलों के साथ कर्नाटक और 24,331 मामलों के साथ दिल्ली हैं। इन पांच राज्यों ने नए कोविड -19 मामलों में 52.82 प्रतिशत जोड़े, अकेले महाराष्ट्र में नए मामलों के 19.27 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार थे। मिजोरम में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 63 नए मामले सामने आने के साथ राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 5,283 हो गए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 54 मामले संक्रमितों के संपर्कों का पता लगाने के दौरान सामने आए जबकि नौ मरीजों ने विभिन्न स्थानों की यात्रा की थी।

देश के 10 राज्यों में 74 फीसदी हैं नए मामले- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को बताया गया कि कोविड-19 के दैनिक नए मामलों में से 74.15 फीसदी मामले महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत कुल दस राज्यों से हैं। मंत्रालय ने बताया कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, केरल, गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में संक्रमण के दैनिक मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। मंत्रालय के अनुसार देश में सामने आए संक्रमण के कुल मामलों में से 74.15 फीसदी महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान से हैं। उपचाराधीन 66.66 फीसदी मरीज महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात और केरल से हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में लोगों को कोविड-19 की 13.83 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

देश में तेजी से बढ़ा प्रकोप- भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख के पार, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के पार चले गए थे। वहीं, 28 सितंबर को 60 लाख के पार, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख के पार और 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार चले गए। 19 अप्रैल को भारत में संक्रमण के मामले 1.50 करोड़ के पार चले गए।आईसीएमआर के मुताबिक, 23 अप्रैल तक 27,61,99,222 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई जिनमें से 17,53,569 नमूनों की शुक्रवार को जांच की गई।

महत्वपूर्ण एवं खास

ग्लेश्यिर टूटने से 10 लोगों की मौत की पुष्टि

चमोली (आरएनएस)। जिले के सुमना-2 में ग्लेश्यिर टूटने से 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जबकि इस घटना में 7 लोग को रेस्क्यू कर आर्मी हास्पिटल जोशीमठ लाया गया। जिसमें से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को देहरादून रेफर किया गया है। बीआरओ से मिली जानकारी के अनुसार बीआरओ की एक टीम घटना स्थल पर पहुँच चुकी है। सेना, आईटीबीपी, बीआरओ, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ युद्ध स्तर पर रेस्क्यू का कार्य में जुटी है। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया रेस्कयू कार्यो की मॉनिटरिंग कर रहे है। इस आपदा के संबध में जानकारी के लिए जिला आपदा कन्ट्रोल रूम चमोली के दूरभाष नंबर एयरटेल-9068187120, बीएसएनएल-7579004644, आईडिया-7055753124, वोडाफोन-7830839443 तथा कार्यालय के टोल फ्री दूरभाष नंबर 01372-251437 पर संपर्क किया जा सकता है।

परियोजनाओं के बजाए स्वास्थ्य सेवाओं पर हो खर्चः राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को प्रचार और अनावश्यक परियोजनाओं पर खर्च करने की बजाय टीके, ऑक्सीजन तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया कि सद्भाव से केंद्र सरकार से अपील है कि वह पीआर व अनावश्यक परियोजनाओं पर खर्च करने की बजाय टीका, ऑक्सीजन व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दे। कांग्रेस नेता ने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में ये संकट और भी गहराएगा। इससे निपटने के लिए देश को तैयार करना होगा। वर्तमान दुर्दशा असहनीय है! इससे एक दिन पहले, राहुल गांधी ने सेंट्रल विस्टा परियोजना को लेकर सवाल खड़े किए थे।

ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित करने वालों की खैर नहीं: अदालत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शनिवार को कहा कि अगर केंद्र, राज्य या स्थानीय प्रशासन का कोई अधिकारी ऑक्सीजन की आपूर्ति में अड़चन पैदा कर रहा है तो 'हम उस व्यक्ति को लटका देंगे। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ की ओर से उक्त टिप्पणी महाराजा अग्रसेन अस्पताल की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई है। अस्पताल ने गंभीर रूप से बीमार कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया है। अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह बताए कि कौन ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित कर रहा है और कहा कि हम उस व्यक्ति को लटका देंगे। पीठ ने कहा कि हम किसी को भी नहीं बख्शेंगे। अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के ऐसे अधिकारियों के बारे में केंद्र को भी बताए ताकि वह उनके खिलाफ कार्रवाई कर सके।

गृहमंत्री ने गांधीनगर के कोलावाडा में ऑक्सीजन निर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया

गांधीनगर (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में गांधीनगर जिले के कोलवड़ा में कोविड डेज़ीगनेटेड अस्पताल में 280 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया। ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कोलवाड़ा में 66 रोगियों का इलाज चल रहा है जिन्हें आज से ऑक्सीजन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस प्लांट से रोगियों को प्रति मिनिट 280 लीटर ऑक्सिजन मिलेगी, साथ ही आकस्मिक समय के लिए यहाँ ऑक्सिजन सिलिंडर्स भी उपलब्ध कराये गये हैं जिससे मरीजों को कोई असुविधा न हो। अमित शाह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश भर में एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसमें पीएम केयर फंड से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की योजना के तहत केंद्र सरकार ने गुजरात में 11 नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लगाने की स्वीकृति दी है।

एएफएमएस ने एसवीपी कोविड अस्पताल में अतिरिक्त स्वास्थ्य पेशेवर तैनात किए

नईदिल्ली (आरएनएस)। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) ने कोविड-19 मामलों में आयी तेजी से निपटने के लिए दिल्ली के सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीपी) कोविड अस्पताल में विशेषज्ञों, महाविशेषज्ञों और अर्ध चिकित्साकर्मियों सहित सहित अतिरिक्त डॉक्टरों की तैनाती की है।

जहां 2020 में अस्पताल में 294 डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी तैनात किए गए थे, 2021 में 378 डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी तैनात किए गए हैं। 2020 में इनमें 132 डॉक्टर शामिल थे जबकि 2021 में यह संख्या 164 है। पिछले साल केवल 18 विशेषज्ञ तैनात किए गए थे जबकि इस साल 43 विशेषज्ञ और 17 महाविशेषज्ञ हैं। इस साल स्वास्थ्य कर्मियों को एक जगह जुटाने का काम केवल तीन दिनों के बेहद कम समय में पूरा किया गया है। सेवा अस्पतालों में पहले से ही मौजूद संसाधनों से इस समय अत्यधिक कुशल विशेषज्ञ और महाविशेषज्ञ अस्पताल में तैनात किए गए हैं। हर तरह से इस साल एसवीपी अस्पताल में पिछले साल की तुलना में अधिक और तेजी से प्रयास किए गए। इस साल जब 19 अप्रैल, 2021 को 250 बिस्तरों के प्रावधान के साथ इस अस्पताल को फिर से खोला गया, दिल्ली में कोविड मामलों में आयी विशाल तेजी के कारण, अस्पताल के खुलने के दो घंटे के भीतर ही सभी 250 बिस्तर भर गए। ध्यान देने वाली बात यह है किस भी मरीजों की हालत गंभीर थी और वे ऑक्सीजन पर निर्भर थे।

भारतीय वायु सेना ने कोविड-19 के खिलाफ संभाला मोर्चा

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वायु सेना ने कोविड-19 के दौरान राहत पहुंचाने में अपने प्रयास जारी रखते हुए मोर्चा संभाल रखा है। भारतीय वायु सेना का एक सी -17 विमान 24 अप्रैल, 2021 को तड़के 2 बजे सिंगापुर के चांगी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए हिंडन एयर बेस से रवाना हुआ। विमान सुबह 07 बजकर 45 मिनट पर सिंगापुर पहुंचा। 4 खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनरों लोड करने के बाद, यह विमान सिंगापुर से निकल चुका है और इन कंटेनरों को पानागढ़ एयर बेस पर उतारने

के लिए वायुमार्ग पर है।

भारतीय वायु सेना का एक और सी -17 विमान हिंडन एयर बेस से सुबह 08:00 बजे पुणे एयर बेस के लिए रवाना हुआ था। विमान सुबह 10:00 बजे पुणे पहुंचा। 2 खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर ट्रकों को विमान पर लादा गया था, जिसने बाद में जामनगर एयर बेस के लिए उड़ान भरी। वही सी - 17 विमान फिलहाल पुणे से जामनगर तक अपने दूसरे दौर की उड़ान पर है, जिसमें 2 और खाली कंटेनर हैं।

इससे पहले एक अन्य सी-17 विमान ने आज दिन में दो खाली कंटेनर जोधपुर से जामनगर पहुंचाए थे।

भारतीय वायुसेना के एक चिनूक हेलीकाप्टर और एक एन-32 सैन्य परिवहन विमान ने कोविड परीक्षण उपकरण क्रमशः जम्मू से लेह और जम्मू से करगिल तक पहुंचाए। उपकरणों में बायो सेफ्टी कैबिनेट, सेंट्रीफ्यूज और स्टेबलाइजर्स शामिल थे। इन मशीनों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा बनाया गया है और अब जांच क्षमता को बढ़ाने के लिए इन्हें केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को दिया गया है।

जैसा कि विदित है, राष्ट्र इस संक्रामक रोग से लड़ने और इसे पराजित करने के लिए कई बड़े कदम उठा रहा है, भारतीय वायु सेना सेना भी इसमें एक पेशेवर तरीके से सभी उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

ऑक्सीजन लेकर महाराष्ट्र पहुँची ऑक्सीजन एक्सप्रेस

» टैंकरों के आवागमन के लिए बनाया गया ग्रीन कॉरिडोर

नईदिल्ली (आरएनएस)। रेलवे ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के परिचालन को एक चुनौती के रूप में लिया और कलंबोली से विशाखापट्टणम तक और वापस नासिक तक पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस सफलतापूर्वक चलाई। जिस पल रेलवे को, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों के आवागमन के लिए जैसे ही निवेदन मिला , तुरंत काम सुरू हुआ। मुंबई टीम द्वारा किए गए काम की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि कलंबोली में केवल 24 घंटे में रैंप बनाया गया है।

रो-रो सेवा के आवागमन के लिए रेलवे को कुछ स्थानों पर घाट सेक्शन, रोड ओवर ब्रिज, टनल, कर्व्स,

प्लेटफॉर्म कैनोपीज़, ओवर हेड इक्विपमेंट आदि विभिन्न बाधाओं पर विचार करते हुए पूरे मार्ग का एक खाका तैयार करना था। क्योंकि इस मूवमेन्ट में ऊंचाई एक महत्वपूर्ण पहलू है, रेलवे ने वसई के रास्ते मार्ग का खाका तैयार किया। 3320 मिमी की ऊंचाई वाले सड़क टैंकर ञ्1618 के मॉडल को फ्लैट वैगनों पर रखा जाना संभव पाया गया।

चूंकि ऑक्सीजन क्रायोजेनिक और खतरनाक रसायन है, इसलिए रेलवे को अचानक एक त्वरण, मंदी से बचना पड़ता है, बीच-बीच में प्रेशर की जांच करनी पड़ती है, खासकर जब यह भरी हुई स्थिति में हो। फिर भी, रेलवे ने इसे चुनौती के रुप में लिया, मार्ग का खाका तैयार किया, लोगों को प्रशिक्षित किया और इन विशेष आकार के टैंकरों को वसई, सूरत, भुसावल, नागपुर मार्ग के माध्यम से विशाखपट्टणम तक ले जाया गया।

कलंबोली और विविशाखपट्टणम के बीच की दूरी 1850 किमी से अधिक है, जो इन टैंकरों द्वारा केवल 50 घंटों में पूरी की गई थी। 100 से अधिक टन एलएमओ (लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन) वाले 7 टैंकरों को 10 घंटे में लोड किया गया और केवल 21.00 घंटे में वापस नागपुर ले जाया गया। रेलवे ने कल नागपुर में 3 टैंकरों को उतार दिया है और शेष 4 टैंकर आज सुबह 10.25 बजे नासिक पहुंच गए हैं, यानि नागपुर से नासिक का अंतर केवल 12 घंटे में पूरा किया।

ट्रेनों के माध्यम से ऑक्सीजन का परिवहन, सड़क परिवहन की तुलना में लंबा है परंतु फ़ास्ट है। रेलवे द्वारा परिवहन में दो दिन लगते है जबकि सडक मार्ग द्वारा 3 दिन लगते है।

ट्रेन दिन में 24 घंटे चलती है, ट्रक ड्राइवरों को रोड पर हाल्ट आदि लेने की आवश्यकता होती है। इन टैंकरों की तेज गति के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है और आवाजाही की निगरानी शीर्ष स्तर पर की गयी है क्योंकि हम जानते हैं कि यह हमारे लिए एक कठिन समय है।

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर टकराईं तीन बसें, दो की मौत 12 घायल

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर बैसनपुरवा गांव के पास खड़ी बस से शनिवार की भोर करीब पांच बजे एक बस टकरा गई। इसके बाद उसमें एक निजी बस ने टक्कर मार दी। इसमें दो की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। चारों तरफ चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकलवाकर अस्पताल पहुंचाया और क्रेन से बसों को हटवाया। बताया जाता है कि रोडवेज बस दिल्ली से आजमगढ़ और निजी बस दिल्ली से देवरिया जा रही थी।

बताया जा रहा है लखनऊ - अयोध्या हाईवे पर बैसनपुरवा गांव के पास खड़ी बस से एक निजी बस टकरा गई। दोनों बसों की टक्कर बेहद भीषण थी। इस टक्कर से हाईवे किनारे खड़ी स्कूल बस भी खाई में पलट गई। वहीं रोडवेज और निजी बस डिवाइडर पर पलट गई। बसों के शीशे टूट गए, इसमें बैठे यात्री अस्त व्यस्त हो उठे। कई लोगों को गंभीर चोटें आई।

हादसे के बाद बस सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में जुट गए। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

इस कठिन परिस्थिति में, कोई परिवार भूखा न रहे यह हमारी जिम्मेदारी :मोदी

» प्रधानमंत्री ने की ई-संपत्ति कार्ड के वितरण की शुरूआत

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत ई-संपत्ति कार्ड के वितरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 4.09 लाख संपत्ति मालिकों को उनके ई-संपत्ति कार्ड दियेजाने के साथ हीदेशभर में स्वामित्व योजना के कार्यान्वयन की भी शुरूआत हो गई। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर उपस्थित थे। संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पंचायती राज मंत्रियों ने भी इस

कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पंचायती राज दिवस ग्रामीण भारत के पुनर्विकास की प्रतिज्ञा के प्रति खुद को फिर से समर्पित करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि यह हमारे ग्राम पंचायतों के असाधारण कार्यों को मान्यता देने और उनकी सराहना करने का दिन है।

प्रधानमंत्री ने कोरोना के प्रबंधन और इस महामारी को गांवों में प्रवेश करने से रोकने और इसके बारे में जागरूकता फैलाने के काम में स्थानीय स्तर पर नेतृत्व प्रदान करने में पंचायतों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने ग्रामीण भारत को इस महामारी से दूर रखने की जरूरत को दोहराया। मोदी ने पंचायतों से समय-समय पर जारी किये जाने वाले दिशानिर्देशों का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने याद दिलाया कि इस बार हमारे पास टीके का कवच है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि गांव के प्रत्येक व्यक्ति को टीका लगाया जाए और हर सावधानी बरती जाये।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि इस कठिन समय मे कोई भी परिवार भूखा न रहे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत प्रत्येक गरीब व्यक्ति को मई और जून के महीनों में मुफ्त राशन मिलेगा। इस योजना से 80 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित होंगे और केन्द्र सरकार इस योजना पर 26,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।

प्रधानमंत्री ने उन 6 राज्यों में स्वामित्व योजना के प्रभाव को रेखांकित किया, जहां इसे केवल एक वर्ष के भीतर शुरू किया गया। इस योजना के तहत, पूरे गांव की संपत्तियों का ड्रोन द्वारा सर्वेक्षण किया जाता है और संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड वितरित किए जाते हैं। आज 5 हजार से अधिक गांवों में 4.09 लाख लोगों को ऐसे ई-संपत्ति कार्ड दिये गये। इस योजना ने गांवों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया है क्योंकि संपत्ति के दस्तावेज अनिश्चितता को दूर करते हैं और गरीबों को शोषण और भ्रष्टाचार से बचाते हुए संपत्ति विवाद की संभावना को कम करते हैं। इससे ऋण लेने की संभावनाएं भी आसान हो जाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कियह योजना एक तरह से गरीब तबके की सुरक्षा और गांवों एवं उनकी अर्थव्यवस्था के नियोजित विकास को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने राज्यों से अनुरोध किया कि वे सर्वे ऑफ़ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करें और जहां भी जरूरी हो राज्य के कानूनों में बदलाव करें। उन्होंने बैंकों से कहा कि वे संपत्ति कार्ड का एक प्रारूप, जोकि ऋण संबंधी औपचारिकताओं के लिए आसानी से स्वीकार्य हो, तैयार करके आसान ऋण सुनिश्चित करें।